विजयी बारडोली

वैजनाथ महोदय

"पृथ्वी सत्य के बल पर टिकी हुई है। 'असत्'—असत्य के मानी हैं नहीं। सत्—सत्य अर्थात् है। जहां 'असत्' अर्थात् अस्तित्व ही नहीं, उसकी सफलता कैसे हो सकती है? और जो सत् अर्थात् है, उसका नाश कौन कर सकता है? बस इसी में सत्याग्रह का समस्त शास्त्र समाविष्ट है।"

महात्मा गांधी

प्रकाशक
सस्ता-साहित्य मंडल,
अजमेर